

राजस्थानी साहित्य : एम. ए. (पूर्वाद्ध)
परीक्षा, 2016–17

इस परीक्षा में 100–100 अंकों के चार प्रश्न पत्र होंगे।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पुछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। **(10×2=20 अंक)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न दस अंकों का होगा। **(5×10=50अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। **(2×15=30अंक)**

प्रथम प्रश्न-पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

1. वैताळ पच्चीसी

सम्पादक : देवीदान नाईता,

प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

इकाई – द्वितीय

2. वचनिका राठौड रतनसिंघ महेसदासौत्तरी : खिड़िया जगा री कही।

सम्पादक : डॉ. रघुवीर सिंह, काशीराम शर्मा।

प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

इकाई – तृतीय

3. मुहणौत नैणसी री ख्यात भाग तीन (ख्यात संख्या 22 से 30)

सम्पादक : बद्रीप्रसाद साकरिया

प्रकाशक : नीलकंठ प्रकाशन, खाण्डप, जोधपुर

इकाई – चतुर्थ

4. उक्त तीनों पाठ्य पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई – पंचम

5. प्राचीन गद्य रूप (वात, ख्यात, वचनिका, दवावैत)

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। **(10×2=20 अंक)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न दस अंकों का होगा। **(5×10=50अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है।

किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(2×15=30अंक)

द्वितीय प्रश्न – पत्र : आधुनिक काव्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

1. वीर सतसई (सर्यमल्ल मिश्रण कृत)

सम्पादक : नरोत्तमदास स्वामी

प्रकाशक : इण्डिया बुक हाउस, जयपुर

इकाई – द्वितीय

2. चेत मानखा : रेवत दान चारण 'कल्पित' (प्रारंभिक दस कविताएं)

इकाई – तृतीय

3. लीलटांस : लेखक कन्हैयालाल सेठिया

प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

इकाई – चतुर्थ

4. मानखो : लेखक गिरधारी सिंह पड़िहार

प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, बीकानेर

इकाई – पंचम

5. उक्त चारों पाठ्य पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। **(10×2=20 अंक)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न दस अंकों का होगा। **(5×10=50अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। **(2×15=30अंक)**

तृतीय प्रश्न – पत्र : आधुनिक गद्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

1. मेवै रा रूख : अन्ना राम सुदामा
प्रकाशक : धरती प्रकाशन, बीकानेर

इकाई – द्वितीय

2. आज री राजस्थानी कहाणियाँ
सम्पादक : रावत सारस्वत
प्रकाशक : केन्द्रीय साहित्य अकादमी, दिल्ली।

इकाई – तृतीय

3. ओळू री अखियातां : डॉ. नेम नारायण जोशी
प्रकाश : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

इकाई – चतुर्थ

4. उक्त तीनों पाठ्य पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई – पंचम

5. आधुनिक राजस्थानी गद्य का इतिहास।

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। **(10×2=20 अंक)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न दस अंकों का होगा। **(5×10=50अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। **(2×15=30अंक)**

चतुर्थ प्रश्न पत्र : राजस्थानी साहित्य का इतिहास और लोक साहित्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

1. प्रारंभकाल, मध्यकाल, उत्तरकाल
(प्रमुख कृतिकार, कृतियां)

इकाई – द्वितीय

2. प्रारम्भकाल, मध्यकाल, उत्तरकाल
(साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां)

इकाई – तृतीय

3. आधुनिक राजस्थानी काव्य एवं गद्य
(प्रमुख कवि, कृतियां, प्रवृत्तियां एवं गद्य की विविध विधाएं)

इकाई – चतुर्थ

4. लोक साहित्य, लोक संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, राजस्थान के रीति रिवाज, लोक गीत, लोक गाथा।

इकाई – पंचम

5. राजस्थान के लोक नाट्य, लोक नृत्य, लोक देवता, लोकोक्तियां, मुहावरे, कहावतें पहेलियाँ वनस्पतियाँ, पशु पक्षी।

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा। **(10×2=20 अंक)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न दस अंकों का होगा। **(5×10=50अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है।

किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। **(2×15=30अंक)**

टिप्पणी : प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

संदर्भ ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोती लाल मेनारिया।
2. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रेरणा स्रोत : डॉ. किरण नाहटा।
3. राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता।

Helpstudentpoint.com